



भक्ति

विश्वरूप जाय जेन्ना
माणस माणसाक
जाडीत ये जगाक
विकतद एक ज्वाला
'पुसनात' जग तेदी
धर्मधि आक्रमणे
तुटतीक ना बधीदि
हे बंध रेखाकडे



